



एशियाई खेल टीम से बाहर होने पर मनिका बत्रा ने उठाए सवाल, चयन प्रक्रिया पर मांगी पारदर्शिता

नई दिल्ली

भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा ने 2026 एशियाई खेलों की भारतीय टीम से बाहर किए जाने पर चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से मामले की जांच कर चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, जवाबदेह और निष्पक्ष बनाए जाने का आग्रह किया है।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा घोषित टीम में पुरुष वर्ग की अगुवाई जी. साथीयन और महिला वर्ग की अगुवाई श्रीजा अकुला करेंगी। महिला टीम में श्रीजा अकुला, यशस्विनी

घोरपड़े, दीया चितले, सुतीर्था मुखर्जी और सिद्धेला दास को शामिल किया गया है। मनिका बत्रा को रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है।

सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में मनिका ने कहा कि टीम में शामिल नहीं किया जाना उनके लिए निराशाजनक है, लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि चयन मानदंडों को किस प्रकार लागू किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक यह नहीं बताया गया है कि चयन से बाहर रखने का विशिष्ट कारण क्या था।

मनिका ने कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार चयन प्रक्रिया में विश्व रैंकिंग, राष्ट्रीय रैंकिंग और चयन समिति के विवेकाधिकार

को आधार माना जाता है। यदि ऐसा है तो खिलाड़ियों को यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि इन सभी कारकों को किस प्रकार और कितने महत्व के साथ लागू किया गया। 31 वर्षीय मनिका ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी वर्तमान विश्व रैंकिंग 51 है और वह शीर्ष-50 के बेहद करीब हैं। उनका कहना है कि रैंकिंग में मामूली उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और केवल इसी आधार पर उन्हें बाहर रखना समझना कठिन है। मनिका ने अपने अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि इस सत्र में उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और चीन सहित कई मजबूत एशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत दर्ज की हैं। उनके अनुसार, उनका वर्तमान प्रदर्शन उच्च

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू प्रतियोगिताओं में भागीदारी को चयन का आधार बनाया गया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रतियोगिताएं खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए हर घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेना हमेशा संभव नहीं होता।

मनिका ने चयन प्रक्रिया में विवेकाधिकार के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि चयन में किसी स्तर पर विशेष अधिकार का उपयोग किया जाता है, तो उसका तरीका स्पष्ट, समान और दस्तावेजी होना चाहिए। उन्होंने महासंघ से अपने चयन न होने के कारणों, लागू मानदंडों और निर्णय प्रक्रिया का विस्तृत विवरण मांगा है।

न्यूज़ डीफ

भारतीय टीम को बड़ा झटका, श्रेयंका पाटिल टखने की चोट के कारण महिला टी20 विश्व कप से बाहर



नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम की आफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल दाए टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह युवा लेग स्पिनर प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। श्रेयंका को बुधवार को हेडिंगले में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत के दूसरे ग्रुप चरण मुकाबले के दौरान चोट लगी। पावरले के अंतिम ओवर में गेंद रोकने के प्रयास में उनका टखना मुड़ गया, जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने शुक्रवार को श्रेयंका के स्थान पर 24 वर्षीय प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। प्रेमा रावत अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं कर सकी है, लेकिन घरेलू और महिला प्रीमियर लीग में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने पिछले दो सत्रों में रायल चैलेंजर्स बंगलुरु के लिए छह महिला प्रीमियर लीग मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं। घरेलू क्रिकेट में भी प्रेमा ने उत्तराखंड को बरिष्ठ महिला चैम्पियनशिप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें एक स्वाभाविक आलराउंड खिलाड़ी माना जाता है, जो गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी योगदान दे सकती है। हालांकि, श्रेयंका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। उनकी तेज क्षेत्ररक्षण क्षमता के अलावा वह विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों और अंतिम ओवरों में भारत की आक्रामक गेंदबाजी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा थी। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की तकनीकी समिति में आईसीसी और मेजबान प्रतिनिधियों की मंजूरी के बाद ही यह बदलाव आधिकारिक रूप से लागू किया गया।

शुक्रआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे कुंबले, मजबूरन अपना पड़ी थी लेग स्पिन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि वह अपने करियर के शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे पर जब उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठे तो मजबूरन उन्हें लेग स्पिन अपना पड़ी थी।

कुंबले का कहना है कि स्कूल और क्लब क्रिकेट खेलते समय वे तेज गेंदबाजी करते थे पर एक एक सीनियर खिलाड़ी ने उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठा दिये थे जिसके बाद उन्हें स्पिन अपनानी पड़ी। कुंबले ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, क्लब के एक सीनियर खिलाड़ी ने कोच से मुझे गेंदबाजी करने से रोकने के लिए कहा क्योंकि उन्हें लगा कि मैं अपनी कोहनी मोड़ रहा हूँ। तब मुझे पता भी नहीं चला कि मैं कोहनी मोड़ रहा हूँ। मैं वैसे ही गेंदबाजी कर रहा था जैसा मुझे स्वाभाविक लगता था। उस समय में लगभग 13-14 साल का था। इस आरोप के कारण मुझे कर्नाटक अंडर-15 चयन टायल से कुछ सप्ताह पहले ही कोई दूसरा सल्ला निकालना था। ऐसे में उन्होंने अपने भाई से सलाह ली जिन्होंने टीम में चुने जाने की संभावना बढ़ाने के लिए उन्हें लेग स्पिन अपनाने का सुझाव दिया। कुंबले ने कहा, फिर मुझे अंडर-15 चयन टायल देने का अवसर मिला। इसमें दो माह का समय था।

फीफा वर्ल्ड कप में कनाडा की टीम ऐतिहासिक जीत के बाद कतर के खिलाड़ियों से भिड़ी

वैकुंठपुर। फीफा विश्वकप फुटबाल में कनाडा ने कतर के खिलाफ मुकाबले में 6-0 की बड़ी जीत हासिल कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है हालांकि इस जीत के बाद विवाद भी उठ गया। यहां के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडाई टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच समाप्त होने की घोषणा होते ही दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच झड़प भी हुई। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श मैच समाप्त होने के बाद कतर के मैनेजर जूलन लोपेटेयूई से हाथ मिलाते पहुंचे। हालांकि, इस दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। इससे कतर के खिलाड़ी भड़क गये और कनाडा के कोच से उलझ गये। इस हल्की नोकझोंक के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच विवाद भड़क गया जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। ऐसे में सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को संभालना पड़ा और दोनों टीमों को अलग करना पड़ा। माना जा रहा है कि इस झड़प का कारण कनाडा के मिडफील्डर इस्माइल कोन को लगी चोट है। कनाडाई खिलाड़ी मानते हैं कि कतर के खिलाड़ी अंतिम मदीवो की टक्कर से कनाडाई खिलाड़ी घायल हुआ। इसी कारण कनाडाई खिलाड़ी काफी गुस्से में थे। दूसरे हाफ की शुरुआत में अंतिम मदीवो ने इस्माइल कोन पर एक खतरनाक हमला बोला।

फीफा विश्व कप : नाकआउट चरण में पहुंचने वाला पहला देश बना मेक्सिको, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में मेजबान मेक्सिको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और नाकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल लुइस रोमो ने दूसरे हाफ में किया।

यह गोल दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम स्युंग-यु की बड़ी गलती के बाद आया। दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में मेक्सिको ने बढ़त बनाई, जब एक क्रास को पकड़ने के प्रयास में किम अपने ही साथी खिलाड़ी से टकरा गए और गेंद उनके हाथ से छूट गई। मौके का फायदा उठाते हुए रोमो ने बिना किसी गलती के गेंद को खाली गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने वापसी की कोशिश की। हालांकि किम ने बाद में शानदार बचाव करते हुए राउल जिमेनेज को दूसरा गोल करने से रोक दिया। मुकाबले के अंतिम क्षणों में दक्षिण कोरिया को बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेक्सिको के गोलकीपर राउल रॉजेल ने यांग हुन-जुन के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ मेक्सिको छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा और अगले दौर में पहुंच गया। अब मेक्सिको अगले मुकाबले में बुधवार को एस्टादियो अस्ट्रेका में चेकिया का सामना करेगा। वहीं दक्षिण कोरिया, जिसके तीन अंक हैं, अपने अगले मुकाबले में मान्टेरी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।



फीफा विश्व कप 2026 के बाद जर्मनी टीम को अलविदा कहेंगे मैनुअल नेजर, विश्व कप को बताया अंतिम टूर्नामेंट

विस्टन-सेलम। जर्मनी के अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नेजर ने गुरुवार को घोषणा की है कि वह फीफा विश्व कप 2026 के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लेंगे। 40 वर्षीय नेजर ने स्पष्ट किया कि यह उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। साल 2014 में जर्मनी को विश्व कप जिताने वाले नेजर लगातार पांचवें विश्व कप में जर्मनी के मुख्य गोलकीपर के रूप में खेल रहे हैं। उन्होंने यूरो 2024 में जर्मनी की क्वार्टर फाइनल हार के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास ले लिया था, लेकिन क्लब स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व कप के लिए फिर टीम में शामिल किया गया। नेजर ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, मैंने 2024 में सही कारणों से अंतरराष्ट्रीय फुटबाल छोड़ा था। पिछले दो वर्षों तक लगातार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना मेरे लिए शारीरिक रूप से कठिन होता। अब यह तय है कि यह मेरा आखिरी टूर्नामेंट है। मैं दो साल बाद होने वाली अगली यूरो चैम्पियनशिप में नहीं खेलूंगा। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उन्होंने यह स्वीकार किया है कि जर्मनी के लिए ये उनके अंतिम मुकाबले होंगे, लेकिन फिलहाल उनका पूरा ध्यान विदाई पर नहीं बल्कि टीम के प्रदर्शन पर है। विश्व कप से पहले गोलकीपर ओलिवर बामन को जर्मनी की पहली पसंद माना जा रहा था, लेकिन नेजर की वापसी के बाद उन्हें शुरुआती स्थान मिला। उन्होंने दो साल बाद राष्ट्रीय टीम के लिए पहला मैच खेलते हुए कुराकाओ के खिलाफ 7-1 की बड़ी जीत में हिस्सा लिया। नेजर ने बताया कि उनकी और बामन की आपसी समझ बहुत अच्छी है और दोनों टीम के हित में साथ काम कर रहे हैं। जर्मनी अब अपने अगले ग्रुप मुकाबले में आइवरी कोस्ट से भिड़ेगा। इस मैच में जीत जर्मनी को नाकआउट चरण में पहुंचा सकती है। जर्मन टीम पिछले दो विश्व कप (2018 और 2022) में ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी। नेजर ने कहा, हम पिछली असफलताओं के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हमारा विश्व अगला मैच जीतना और जल्दी नाकआउट में जगह बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस उम्र में एक और विश्व कप खेलना उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है। साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि अगर उन्हें विश्व कप जीतने की संभावना नहीं दिखती, तो वह यहां मौजूद नहीं होते।



फीफा विश्व कप 2026: स्विट्जरलैंड ने बोस्निया को 4-1 से हराया



इंगलवुड। फीफा विश्व कप 2026 में स्विट्जरलैंड ने शानदार वापसी करते हुए शुक्रवार तड़के बोस्निया-हर्जोगोविना को 4-1 से हराकर ग्रुप बी में मजबूत स्थिति बना ली। मुकाबले का निर्णायक मोड़ दूसरे हाफ में आया, जब विकल्प खिलाड़ी योहान मंजाबी ने विश्व कप का अपना पहला गोल दागा और इसके बाद स्विट्जरलैंड ने लगातार आक्रामक खेल दिखाते हुए बड़ी जीत दर्ज की। पहले हाफ में स्विट्जरलैंड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन बोस्निया की सही हुई रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में स्विट्जरलैंड ने दबाव बढ़ाया और 74वें मिनट में मंजाबी ने शानदार वाली के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बोस्निया की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब तारिक युहरेमोविच को खतरनाक टोकल के कारण लाल कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए स्विट्जरलैंड ने 84वें मिनट में रुबेन वर्गास के गोल से स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद 90वें मिनट में वर्गास के पास पर मंजाबी ने अपना दूसरा गोल दागा। मैच के इंजरी टाइम में कप्तान ग्रेनट झाका ने पेनाल्टी को गोल में बदलते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। बोस्निया की ओर से एकमात्र गोल एर्मिन माहमिक ने इंजरी टाइम में किया।

अभिषेक भंडारी की 80 रन की शानदार पारी गई बेकार, 18.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर निमाइ इंगल्स ने मारी बाजी

इंदौर

होलकर स्टेडियम की दृधिया रोशनी में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के एक रोमांचक मुकाबले में रायल निमाइ इंगल्स ने जबलपुर रायल लायंस को 7 विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर ने 176 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था, जिसे इंगल्स ने हिमांशु मंत्री (45), कनिष्क दुबे (नाबाद 70) और कप्तान सारांश जैन (नाबाद 32) की शानदार बल्लेबाजी की



बदौलत 18.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। देवेंद्र सिंह कथैत (3 विकेट) को उनके घातक गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ रायल निमाइ इंगल्स 6 मुकाबलों में 5 जीत और 10

अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, जबलपुर रायल लायंस 6 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है, जिससे उनकी प्लेआफ की उम्मीदें अब भी कायम हैं। इंगल्स की आक्रामक शुरुआत -

राटरडेम

भारतीय पुरुष हकी टीम ने एफआईएच हकी प्रो लीग 2025-26 के राटरडेम चरण में शुक्रवार को मौजूदा विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ शानदार संघर्ष किया, लेकिन अंतिम क्षणों में मैच हथ से निकल गया और भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए जुगराज सिंह ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को यादगार बनाते हुए गोल दागा, लेकिन जर्मनी ने अंतिम चार मिनट में दो गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुकाबले की शुरुआत में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए जर्मनी को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मजबूत रक्षापंक्ति के कारण विश्व चैम्पियन टीम पहले हाफ में स्पष्ट अवसर नहीं बना सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने तेज दबाव बनाते हुए जर्मनी को लगातार गलती करने पर मजबूर किया। अभिषेक ने भारत के लिए एक अच्छा मौका बनाया, लेकिन टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। तीसरे क्वार्टर में भारत को पहला पेनाल्टी कार्नर मिला और जुगराज सिंह ने 38वें मिनट में जोरदार ड्रैग मिल्क लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर के 100वें अंतरराष्ट्रीय



मैच का खास पल बन गया। जर्मनी ने तीसरे क्वार्टर के अंत में लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए बढ़त कायम रखी। अंतिम क्वार्टर में भारत के पास अंतर बढ़ाने के अवसर आए, लेकिन टीम उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इसका फायदा उठाते हुए जर्मनी ने 56वें मिनट में जस्टस वाइगांड के पेनाल्टी कार्नर गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद मुकाबले

के अंतिम सेकंडों में जर्मनी को एक और पेनाल्टी कार्नर मिला, जिसे याकाब ब्रिला ने गोल में बदलते हुए अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। हार् के बावजूद भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को कड़ी चुनौती दी और अपने खेल से प्रभावित किया। भारत अब 21 जून को भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे अपने अगले मुकाबले में नीदरलैंड्स का सामना करेगा।

देवेंद्र की घातक गेंदबाजी और कनिष्क की आतिशी पारी से निमाइ इंगल्स ने जबलपुर को 7 विकेट से हराया

धर्मेश पटेल (23) ने बेहतरीन शुरुआत दी। मैच का रुख तब बदला जब दूसरे विकेट के लिए हिमांशु मंत्री और कनिष्क दुबे के बीच 80 रनों की आक्रामक साझेदारी हुई। इसके बाद, कनिष्क दुबे ने मैदान के चारों ओर शाब्दिक लगाते हुए 44 गेंदों में नाबाद 70 रन (6 चौके व 3 छक्के) टोक दिए। अंत में कप्तान सारांश सुबोध जैन ने 20 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाकर चौथे विकेट के लिए नाबाद 56 रनों की साझेदारी निभाई और जीत की औपचारिकता पूरी कर दी।

भंडारी की मेहतन पर फिर पानी - इससे पहले टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी जबलपुर रायल लायंस के लिए अभिषेक भंडारी ने एक छोरे मजबूती से धामे रखा। भंडारी ने 51 गेंदों में 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन की बेहतरीन पारी खेली।

अजय रोहेरा (40) के साथ उनकी साझेदारी की मदद से जबलपुर ने 20 ओवर में 176 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। निमाइ इंगल्स के लिए देवेंद्र सिंह कथैत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 26 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकए, जिसने जबलपुर की पारी को सीमित रखने में अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त स्कोर
जबलपुर रायल लायंस : 176/6 (20 ओवर) - अभिषेक भंडारी 80*, अजय रोहेरा 40; देवेंद्र सिंह कथैत 3/26, कुमार कार्तिकेय 2/34।
रायल निमाइ इंगल्स : 177/3 (18.3 ओवर) - कनिष्क दुबे 70*, हिमांशु मंत्री 45, सारांश जैन 32*, नयनराज मेवाड़ा 2/33।